न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर–प्रथम, जयपुर

पंचायत निगरानी संख्याः 122/2017 RCMS No.—2017/00187

सरकार जरिये विकास अधिकारी पंचायत समिति झोटवाडा, जिला जयपुर।

...निगरानीकर्ता

बनाम

1. छीतरमल पुत्र लादूराम जाति जाट ग्राम बसेडी, ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा, पं.स. झोटवाडा जिला जयपुर।
2. मूलचन्द पुत्र लादूराम जाति जाट ग्राम बसेडी, ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा, पं.स. झोटवाडा जिला जयपुर।
3. ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा, जरिये सरपंच, जिला जयपुर।

...विपक्षीगण

निगरानी अर्न्तगत धारा 97 पंचायती राज अधिनियम 1994 विरूद्व निर्णय दिनांक 24.04.2012 पंचायत प्रस्ताव संख्या 13 ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा, जिसके कम में पट्टा संख्या 63 दिनांक 08.10.2012 को जारी किया गया।

उपस्थितः–
1. श्री पैरोकार सरकार निगरानीकार की ओर से।

निर्णय दिनांकः 11.01.2019

निगरानीकर्ता ने यह निगरानी ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा, पं.स. झोटवाडा द्वारा विपक्षी अप्रार्थी संख्या 1 छीतरमल पुत्र लादूराम व अप्रार्थी संख्या 2 मूलचन्द पुत्र लादूराम निवासी ग्राम बसेडी, ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा तहसील व जिला जयपुर के पक्ष में संयुक्त रूप से 245 वर्गगज भूखण्ड का पट्टा संकल्प संख्या 13 दिनांक 24.04.2012 के द्वारा पट्टा संख्या 63 दिनांक 08.10.2012 को जारी किया गया, से असंतुष्ट होकर दिनांक 21.07.2014 को न्यायालय जिला कलक्टर जयपुर में प्रस्तुत की है। निगरानी प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर नोटिस विपक्षीगण जारी करने तथा निगरानीधीन आदेश से सम्बन्धित पत्रावली तलब करने के आदेश दिये गये। जिला कलक्टर महोदय जयपुर के आदेश दिनांक 30.03.2017 की अनुपालना में स्थानान्तरित होकर पत्रावली इस न्यायालय में प्राप्त हुई। विपक्षी संख्या एक व दो की ओर से बावजूद तामील कोई उपस्थित नहीं आये तथा अप्रार्थी संख्या 3 ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा की ओर से कोई उपस्थित नहीं आये। अधीनस्थ ग्राम पंचायत का मूल पट्टा पत्रावली प्राप्त होने पर शामिल मिसल किया गया। पत्रावली बहस हेतु नियत की गई। पैरोकार सरकार की बहस सुनी गई।

पैरोकार सरकार ने दौराने बहस निवेदन किया कि अधीनस्थ ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा ने विपक्षी संख्या एक के पक्ष में दिनांक 08.10.2012 को जो पट्टा जारी किया है वह विधिसम्मत नहीं है। ग्राम पंचायत द्वारा सुस्थापित विधिक सिद्वान्तो

अतिरिक्त कलक्टर (प्रथम) जयपुर

की पालना किए बिना पट्टा जारी किया गया है। ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा द्वारा निगरानीधीन आदेश पारित कर गैर निगरानीकार संख्या एक व दो के पक्ष मे जारी किया गया पट्टा संख्या 63 अपने परिचित एवं नजदीकी व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से पट्टा जारी किया गया है। पंचायती राज नियमों के अनुसार भूमि का विक्रय का अस्थाई निर्णय पारित किया जाना चाहिए था जो नहीं किया गया। पंचायत राज नियमों के नियम 148 (1) एवं 148(2) के अनुसार पट्टा जारी करने से पूर्व जो आपत्ति नोटिस जारी किये गये उन आपत्ति नोटिसों को प्रस्तावित भूमि पर चस्पा नहीं किया गया तथा दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो के हस्ताक्षर नहीं कराये गये जिससे ज्ञात होता है कि पट्टा जारी करने के लिये खानापूर्ति कर मिसल में शामिल किये गये है। पंचायत नियम 157(1) के अर्न्तगत पुराने गृहो का नियमितिकरण के 200/– राशि जमा कर किये गये। निगरानीधीन पट्टा आबादी भूमि की खाली पडत भूमि के जारी किये गये है, जिनकी बाजार दर कीमत वसूल की जानी चाहिए थी, वह पंचायत द्वारा नहीं किया जाकर पंचायत नियमों की अवहेलना की गई है तथा राजकोष को हानि पहुंचाई गई है। पंचायती राज नियम 168(2) के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा जारी पट्टो की एक प्रति विकास अधिकारी पंचायत समिति को भेजी जानी चाहिए जो नहीं भेजी गई। प्रकरण में आबादी भूमि पर पट्टा जारी किये गये वे हल्का पटवारी के सीमाज्ञान/खसरा नं. एवं हल्का पटवारी व ग्राम सेवक की टिप्पणीयों का पूर्ण रूप से अभाव पाया गया। अतः निगरानीकार की निगरानी स्वीकार की जाकर ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा द्वारा गैर निगरानीकार सं. एक के पक्ष में जारी पट्टा संख्या 63 आदेश दिनांक 08.10.2012 को निरस्त किया जावे।

विद्वान अभिभाषक पैरोकार सरकार की बहस सुनी गई। पत्रावली का तथा पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेज आदि का आद्योपान्त अवलोकन किया तथा सम्बन्धित कानून के परिपेक्ष्य में गम्भीरता पूर्वक मनन किया गया। अधीनस्थ ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा, पंचायत समिति झोटवाडा से प्राप्त पत्रावली के अवलोकन से जाहिर है, कि ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा द्वारा संयुक्त रूप से विपक्षी संख्या 1 एवं 2 के पक्ष में 245 वर्गगज भूखण्ड का संकल्प संख्या 13 दिनांक 24.04.2012 की अनुपालना में आदेश दिनांक 08.10.2012 द्वारा पट्टा संख्या 63 जारी किया गया है। विद्वान अधिवक्ता निगरानीकार की मुख्य दलील है कि ग्राम पंचायत द्वारा पट्टा जारी करने से पूर्व राजस्थान पंचायत राज नियमों की पालना नहीं की गई है एवं निगरानीधीन पट्टा जारी कर पंचायत राज कोष को हानि पहुंचाई है। ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा से प्राप्त पत्रावली के अवलोकन से जाहिर है कि निगरानीधीन भूमि पर गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 का कब्जा है एवं गैर निगरानीकार का मकान बना हुआ है। ग्राम

अतिरिक्त कलक्टर (प्रथम) जयपुर

पंचायत ने पट्टा जारी करने से पूर्व नियमानुसार नजरी नक्शा तैयार करवाकर मौका निरीक्षण हेतु वार्ड पंच गण की कमेटी बनायी गयी। पंचगण की निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 को निगरानीधीन भूमि का पट्टा जारी किया गया है। पंचगण की निरीक्षण रिपोर्ट में 50 वर्ष से गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 का कब्जा/ निर्माण माना गया है लेकिन इस संबंध में पत्रावली पर मौका रिपोर्ट के अतिरिक्त कोई साक्ष्य/दस्तावेजात उपलब्ध नहीं है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर निगरानीकर्ता द्वारा प्रस्तुत निगरानी आंशिक रूप से स्वीकार की जाकर ग्राम पंचायत श्योसिंहपुरा पंचायत समिति झोटवाडा द्वारा जारी संकल्प सं. 13 दिनांक 24.04.2012 से निर्णय लेते हुये गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 के हक में आदेश दिनांक 08.10.2012 द्वारा जारी पट्टा संख्या 63 निरस्त किया जाता है। पत्रावली ग्राम पंचायत, श्योसिंहपुरा को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित (**Remand**) की जाती है कि प्रकरण में गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 को साक्ष्य, सबूत, सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए पंचायती राज अधिनियम 1994 एवं नियम 1996 के नियम 157 के तहत गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 निगरानीधीन भूमि पर काबिज है, तो गैर निगरानीकार संख्या 1 व 2 को पंचायती राज नियमों के तहत विधिसम्मत निर्णय पारित कर पुनः पट्टा देने की कार्यवाही की जावे, अन्यथा भूमि निस्तारण हेतु ग्राम पंचायत पंचायती राज अधिनियम एवं नियमों के तहत विधिसम्मत निर्णय लेवें। निर्णय की प्रमाणित प्रति के साथ अधीनस्थ ग्राम पंचायत का मूल पट्टा पत्रावली लौटायी जावें। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर बाद तामील तकमील दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 11.01.2019 को सरे इजलास सुनाया गया।

(पुखराज सेन)
अति.कलक्टर–प्रथम,
जयपुर

कार्यालय अतिरिक्त कलक्टर (प्रथम) सत्यमेव जयते * जयपुर *